

युधिष्ठिर की चिंता और कामना

प्र 9) एक-एक वाक्य में उत्तर लिखें।

अ) महर्षि द्रोणाचार्य को किसने शोक रखा था?

महर्षि द्रोणाचार्य को धृष्टद्युम्न ने शोक रखा था।

आ) धृष्टद्युम्न को महर्षि द्रोण के सामने मे किसने हटाया?

धृष्टद्युम्न को महर्षि द्रोण के सामने से पांडव-सेना के रथसवार ने हटाया।

इ) सात्विकी पर संकट आया है, यह बात किसे पता चली?

सात्विकी पर संकट आया है, यह बात युधिष्ठिर को पता चली।

ई) युधिष्ठिर के रक्षा का भार किसपर था?

युधिष्ठिर के रक्षा का भार सात्विकी पर था।

उ) सात्विकी का युधिष्ठिर को छोड़कर जाने का परिणाम क्या हुआ?

सात्विकी जब युधिष्ठिर को छोड़कर गया तब द्रोणाचार्य ने पांडव-सेना पर हमले शुरू कर दिए।

ऊ) अर्जुन कि लड़ाई किससे हो रही थी?

अर्जुन कि लड़ाई जयद्रथ से हो रही थी।

ए) युधिष्ठिर के मन से शोक के बादल कैसे हट गए?

भीमसेन और अर्जुन के शंखनाद सुनकर युधिष्ठिर के मन से शोक के बादल हट गए।

ऐ) कर्ण ने भीम को क्यों नहीं मारा?

कर्ण ने कुंती माता को वचन दिया था कि वह अर्जुन के सिवा किसीको नहीं मारेगा। इसीलिए कर्ण ने भीम को नहीं मारा।

ओ) भीम के रथ के छोड़े किसे युद्ध करते हुए मारे गए?

भीम के रथ के छोड़े कर्ण से युद्ध करते हुए मारे गए।

प्र. 2) दिए गए वाक्य सही हैं या गलत वह लिखें।

- | | |
|---|-----|
| अ) जयद्रथ की रक्षा करने हेतु द्रोण चले गए। | गलत |
| आ) कौरव सेना तीन हिस्सों में बटकर कमजोर हो गयी। | सही |
| इ) युधिष्ठिर शालकि की सहायता करने गया। | सही |
| ई) अर्जुन की सहायता के लिए कोई नहीं गया। | गलत |
| उ) नकुल ने शंखनाद किया। | गलत |
| ऊ) द्रोणाचार्य के हमले से पांडव-सेना टूट गयी। | सही |
| ए) द्रोण को शहेदेव को जिंदा पकड़ना था। | गलत |
| ऐ) कर्ण और भीम के बीच भीषण युद्ध चल रहा था। | सही |
| ओ) कर्ण ने शंखों को ध्वन दिया था। | गलत |
| औ) भीम बहुत क्रोधित था। | सही |

प्र. 3) विलोम अर्थवाले शब्द लिखें।

- | | |
|------------------|---------------------|
| अ) रक्षा x विनाश | क) कमजोर x ताकतवर |
| आ) चतुर x मूर्ख | ख) कुशल x अकुशल |
| इ) धर्म x अधर्म | ग) मोह x निर्मोह |
| ई) आग x जल | घ) आयानी x कर्णहारि |
| उ) उग्र x शान्त | ङ) आराम x तकलीफ |

प्र. 4) रिक्त स्थानों की पूर्ति करें।

- अ) इसी समय श्रीकृष्ण के पांचजन्य की ध्वनी सुनाई दी।
आ) यदि तुम लोग उनको कुशलपूर्वक पाओ तो सिंहनाद करना।
इ) राजा की रक्षा करना हमारा प्रथम कर्तव्य है।
ई) वह उछलकर कर्ण के शय्य पर जाकड़ा।
उ) प्राणों का मोह छोड़कर वह लड़ने लगा।